इमारत के अंदर छिपे आतंकियों को खोज निकालेगा माइक्रोकॉप्टर पेज 12

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

मकर संक्रान्ति की शुभकामनाएं

गुरुवार, 14 जनवरी 2021, नगर/गाजियाबाद, पांच प्रदेश, 21 संस्करण | www.livehindustan.com | वर्ष 86, अंक 12, 16 पेज+4 पेज लाइव, मूल्य ₹ 3.00, एचटी एज के साथ ₹ 4.00 एवं हिन्दुस्तान टाइम्स के साथ ₹ 7.50

केंद्र और राज्य सरकार जेवर एयरपोर्ट मेट्रो प्रोजेक्ट को पैसा देने को तैयार, 2023 में एयरपोर्ट शुरू होने से पहले काम पूरा करने की तैयारी

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनने से पहले जेवर तक पहुंचेगी मेट्रो

योजना

ग्रेटर नोएडा | मुख्य संवाददाता

यमुना प्राधिकरण वर्ष 2023 में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट शुरू होने से पहले जेवर तक मेट्रो ले जाना चाहता है। इस काम में तेजी लाने के लिए ग्रेटर नोएडा से जेवर में प्रस्तावित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक मेट्रो ले जाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार पैसा देने को तैयार हो गई हैं।

करीब 70 फीसदी खर्च दोनों सरकार वहन करेंगी। बाकी पैसे का इंतजाम यमुना प्राधिकरण को करना होगा। इस परियोजना की फिजिबिलिटी रिपोर्ट राइट्स ने तैयार की थी। इसके बाद यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने वृहद परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) बनाने की जिम्मेदारी दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) को दी थी। डीएमआरसी ने करीब 6 महीने पहले डीपीआर यमुना प्राधिकरण को सौंप दी थी, जिसके मुताबिक ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक 35.6 किलोमीटर लंबी मेट्रो लाइन का निर्माण किया जाना है। इस पर करीब 1500 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। इस खर्च को वहन करने के लिए यमुना प्राधिकरण ने केंद्र और राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजे थे। मिली जानकारी के मुताबिक दोनों ओर से प्राधिकरण को बजट की सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है।

परियोजना का नोएडा और ग्रेटर नोएडा को ज्यादा फायदा : इस परियोजना का यमुना प्राधिकरण के मुकाबले ग्रेटर नोएडा और नोएडा शहर को ज्यादा फायदा मिलेगा। दरअसल, बॉटेनिकल गार्डन और ओखला पक्षी विहार मेट्रो स्टेशन तक नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे के दोनों ओर पड़ने वाले करीब 50 सेक्टर इस लाइन में होंगे। ये सारे सेक्टर सीधे एयरपोर्ट दिल्ली से जुड़ जाएंगे। नोएडा के इन सेक्टरों में रहने वाले लोगों को सबसे ज्यादा फायदा होगा। इसी तरह ग्रेटर नोएडा शहर के नॉलेज पार्क और करीब एक दर्जन हवा से सेक्टर सीधे मेट्रो लाइन पर पड़ेंगे।

29 स्टेशन बनेंगे, पूरा रूट जमीन पर होगा

ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क से लेकर जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक 29 मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे। खर्च घटाने के लिए यह पूरा रूट जमीन पर होगा। खर्च करीब 50 प्रतिशत कम हो गया है। मेट्रो रेल का यह कॉरिडोर यमुना एक्सप्रेसवे के सामांतर बनाया जाएगा। इससे भविष्य में यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में विकसित हो रहे आवासीय और औद्योगिक सेक्टरों को बड़ा लाभ मिलेगा।

25 को सीएम करेंगे घोषणा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 25 जनवरी को उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस के मौके पर नोएडा आ रहे हैं। जानकारी मिली है कि इसी दौरान मुख्यमंत्री इस प्रोजेक्ट को लेकर बड़ी घोषणा करेंगे। बड़ी बात यह है कि यह प्रोजेक्ट नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन की बजाय उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन को दिया जाएगा। मतलब, इसके निर्माण की निगरानी यूपीएमआरसी करेगा। केंद्र और राज्य सरकार करीब 1050 करोड़ रुपये इस परियोजना पर खर्च करेंगी।